जल संकट दूर करने संग ग्रामीणों की आय भी बढ़ाई

जागरण विशेष

यशस्वी प्रधान

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू की रोपा पंचायत में युवा प्रधान अनु ठाकुर की प्रेरक पहल

मुकेश मेहरा • मंडी

संकल्प के साथ दूरदर्शी सोच हो तो विकास का मार्ग प्रशस्त कर ग्रामीण आर्थिकी भी सशक्त की जा सकती है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में रोपा ग्राम पंचायत की युवा प्रधान अनु ठाकुर ने यह कर दिखाया है। समुद्रतल से आठ हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित इस पंचायत के निवासियों को अब पेयजल संकट और सिंचाई के लिए पानी की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है। आर्थिकी भी मजबूत हुई है।

प्राकृतिक स्रोतों के पानी का सदुपयोग: प्रधान अनु की पहल से पंचायत के पांच वार्डों में जल भंडारण के लिए टैंक बनाए गए हैं। इसके साथ ही तीन गांवों में पेयजल की समस्या भी हल की गई है। 1,700 की जनसंख्या वाली रोपा पंचायत में 400 परिवार खेती-बागवानी कर जीवनयापन करते हैं। सिंचाई पहाड़ी नाले या वर्षा के पानी पर निर्भर थी। प्रधान ने समस्या को समझा और मनरेगा के अंतर्गत टैंक बनवाए। नाले और प्राकृतिक स्रोतों का पानी पाइपों के माध्यम से इन टैंकों तक पहुंचाया गया। इन टैंकों में नल लगे हैं, जिनसे बागवान व किसान पाइप जोड़कर बगीचों व खेतों तक पानी ले जाते हैं।

होने लगा अधिक उत्पादन: वर्ष 2022 में बागवानों और किसानों ने टैंक से जल लेने की इस व्यवस्था का प्रयोग किया। सिंचाई के लिए पानी खेतों के पास पहुंचने से सबसे अधिक लाभ सेब बागवानों को हुआ है। बागवान खेम चंद, चुनी लाल, नंदलाल, टिक्कम राम बताते हैं कि सिंचाई की सुविधा के कारण खेतों में 30 प्रतिशत तक अधिक फसल हुई है। सेब के बगीचों में अन्य फसलों की बोआई के लिए अब पानी का इंतजार नहीं करना पड़ता है।

पंचायत के तीन गांवों में पेयजल के लिए अलग टैंक बनाया गया है। घरों को पेयजल कनेक्शन भी दिए गए हैं।

विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

अध्ययन के लिए खुला पुस्तकालय, हर घर तक पक्का रास्ता

अनु ठाकुर, प्रधान, रोपा पंचायत, कुल्लू

कुल्लू जिले की रोपा पंचायत की प्रधान अनु ठाकुर बताती हैं कि नए पंचायत घर का निर्माण कर जिला प्रशासन की ज्ञान पीठ योजना के अंतर्गत पुस्तकालय भी खोला गया है। अब यहां पंचायत व आसपास के बच्चे आकर पढ़ाई करते हैं। दानी सज्जनों के अलावा प्रशासन की ओर से भी पुस्तकें मिली हैं। सरकारी विद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाएं बेहतर की गई हैं। हर घर तक पक्का रास्ता बना है। आवागमन सुगम करने के लिए एक किलोमीटर लंबी पक्की सड़क भी बनी है। दो अन्य सड़कों का काम जारी है।

कुल्लू की रोपा पंचायत में बेहतरीन विकास कार्य हुए हैं। कचरा निस्तारण की व्यवस्था की गई है। पुस्तकालय भी बनाया गया है।

जयवंती ठाकुर, परियोजना निदेशक, जिला ग्रामीण विकास एजेंसी, कुल्लू

हिमाचल के कुल्लू जिले की रोपा पंचायत में बनाया गया पानी का टैंक • जागरण

nwda.gov.in